भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2129

दिनांक 8 **मार्च**, 2021

तेल का आयात

2129. **श्री श्रीधर कोटागिरी** :

कुमारी गोड्डेति माधवी:

श्री एम. वी. वी. सत्यनारायण:

श्रीमती चिंता अनुराधा:

श्री पी.वी. मिधुन रेड्डी:

श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालू:

श्री पोचा ब्रह्मानंद रेड्डी:

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में गत पांच वर्षों के दौरान आयात किए गए तेल और तेल उत्पादों के कुल मूल्य का देश-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार कुल आयात व्यय को घटाने के लिए उपाय कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) पेट्रोल में जैव-इथेनॉल सम्मिश्रण के कारण तेल आयात में वर्ष-वार कितनी बचत की गई और 2020-21 में पेट्रोल के साथ जैव-इथेनॉल सम्मिश्रण की दर क्या है?

उत्तर

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री

(**श्री धर्मेन्द्र प्रधान**)

(क) पिछले पांच वर्षों के तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के कुल मूल्य के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:-

ब्यौरा	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**
तेल का आयात (करोड़ रुपए में)	4,16,579	4,70,159	5,66,450	7,83,183	7,17,001
पेट्रोलियम उत्पादों का आयात (करोड़ रुपए में)	65,361	71,566	88,374	1,13,665	1,25,742
कुल आयात (तेल और पेट्रोलियम उत्पाद) (करोड़ रुपए में)	4,81,940	5,41,725	6,54,824	8,96,848	8,42,743

भारत ने विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों जैसे मध्य-पूर्व, अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका और दक्षिणी-पूर्वी एशिया से कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया है।

(ख) सरकार ने उत्पादन हिस्सेदारी संविदा (पीएससी) व्यवस्था, खोजे गए लघु क्षेत्र नीति, हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति के तहत रिफाइनरी प्रक्रिया में सुधार करने, नेशनल डेटा रिपोजिटरी की स्थापना और विभिन्न नीतियों के माध्यम से आयातों को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। सरकार ने इलैक्ट्रॉनिक एकल विंडो व्यवस्था सहित युक्तियुक्त अनुमोदन प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करने राष्ट्रीय तेल कंम नियों और वृहद निजी क्षेत्र भागीदारी को कार्यात्मक स्वतंत्रता भी प्रदान की है।

सरकार ने देश में जैव ईंधनों की उपलब्धता को बढ़ाने और एथेनॉल मिश्रण, जैव-डीजल मिश्रण और किफायती-परिवहन के लिए दीर्घकालिक परिवहन (सतत) पहल के माध्यम से क्रमश: एथेनॉल, जैव डीजल और जैव सीएनजी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति, 2018 की शुरूआत की है।

(ग) एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) विनिर्देशनों के अनुसार, तेल विपणन कंम नियों (ओएमसीज) को पेट्रोल में 10% जैव-एथेनॉल के मिश्रण का निर्देश दिया गया है। पेट्रोल में जैव एथेनॉल मिश्रण के कारण तेल आयात मूल्य में हुई कुल बचत नीचे दी गई है:-

वर्ष	2018-19	2019-20	2020-21 (अनंतिम)
बचत (करोड़ रुपए में)	5035	4071	2264

पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण का प्रतिशत नीचे दिया है:-

एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई)#	2018-19	2019-20	2020-21 (दिनांक 01.03.2021 की स्थिति के अनुसार)
प्रतिशत	5.00	5.00	6.94

#एथेनॉल आपूर्ति वर्ष एक वर्ष के 1 दिसंबर से शुरू होता है और अगले वर्ष के 30 नवंबर तक रहता है।

****